नाम/गैर फिल्मी

टाइम्स म्यूजिक

****

ऐसा कम ही होता है कि किसी गैर फिल्मी एलबम में आपको साफ-सुथरे गाने भी मिल जाएं और संगीत भी ऐसा हो कि आपका मन बार-बार उसे सुनना चाहे। कोलकाता के अर्णब चक्रवर्ती के इस पहले एलबम में यही खूबी आपको मिलती है। यूं अर्णब मौजूदा दौर के चर्चित संगीतकार शांतनु मोइत्रा और राजू सिंह के साथ काम कर चुके हैं, पर इस एलबम के जरिए उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। अर्णब की गायकी और संगीत रचना में किसी तजुर्बेकार फनकार जैसा हुनर झलकता है। इस एलबम में रूमानी मिजाज के आठ गाने हैं, जिन्हें अमित सिंह और अमिताव भट्टाचार्य ने लिखा है। 'मुझे कहने दे जरा', 'सूनी पड़ी मेरी रातें', 'रहता है मन कहीं', 'धीरे धीरे चलती ये रात' और 'उस नाम में मेरी दुनिया है' जैसे गानों में अर्णब ने अपनी गहरी छाप छोड़ी है। पर भोजपुरी स्टाइल के गीत 'जोगनिया' से वे बच जाते, तो अच्छा रहता। धुनों में उन्होंने बंगाल और असम के लोक-संगीत का सहारा लिया है और यही कारण है कि गाने सीधे जुबान पर चढ़ते हैं।

◆ श्याम माथुर